बिजनौर 14जनवरी, 2021:– जिलाधिकारी श्री रमाकान्त पाण्डेय ने निर्देश दिये गये कि जिले में सह फसली खेती को बढ़ावा दिया जाये ताकि किसानों की आय में अधिक वृद्वि हो सके। उन्होनें कहा कि कृषकों को कृषि घटक से सम्बन्धित अन्य कार्य यथा औषधीय, औद्यानिक, मसाला, पशुपालन, मुर्गीपालन, मधुमक्खी पालन जैसे कार्यो को करने के लिए वृहद रूप से प्रशिक्षण देकर प्रेरित किया जाय। उन्होने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि योजना के वार्षिक भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को पूरी गुणवत्ता के आधार पर समयबद्व पूरा करना सुनिश्चित किया जाये।

जिलाधिकारी रमाकान्त पाण्डेय आज अपरान्ह 04:00 बजे विकास भवन के सभागार में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेशन (आत्मा) योजना की गर्वनिंग बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिये कि विभिन्न कार्य मद में आवंटित किये गये कार्यो की गुणवत्ता बनाये रखते हुए लाभार्थियों का चयन ऐसी ग्राम पंचायतों से किया जाये, जिन ग्राम पंचायतों में कृषि का औसत उत्पादन कम है। उन्होनें निर्देश दिए कि समय–समय पर कराये गये कार्यो का भौतिक सत्यापन भी सुनिश्चित कराएं। आत्मा योजनान्तर्गत सम्बद्ध विभाग पशुपालन, गन्ना, उ़द्यान, कृषि विज्ञान केन्द्र, मत्स्य व दुग्ध के अधिकारियों को भी निर्देश देते हुए उन्होनें कहा कि किसान का विकास तब तक सम्भव नहीं है, जब तक कृषि सम्बन्धी सहायक उद्योग/कार्य कृषकों के द्वारा नहीं अपनाये जाते। अतः कृषकों को कृषि के अतिरिक्त अन्य कार्यो के करने के लिए प्रेरित किया जाये। उन्होने निर्देश दिये कि प्रशिक्षण, भ्रमण, प्रदर्शन एंव अन्य लाभ हेतु ऐसे कृषकों का चयन किया जाये जिन्हे अभी तक विभागीय किसी भी योजना का लाभ प्राप्त नही हुआ है और लाभार्थी का चयन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाये। उन्होने उद्यान अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि प्रशिक्षण और भ्रमण कार्यक्रमों को वित्तीय वर्ष खत्म होने तक पूरा कराना सुनिश्चित करे और आत्मा के अन्तर्गत जो बजट आवंटन किया गया है उसका पूरी गुणवत्ता के आधार पर उपयोग करना सुनिश्चित करे।

इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी डा0 अवधेश मिश्र, जिला उद्यान अधिकारी, प्रभारी आत्मा योगेन्द्र पाल सिंह 'योगी', के अलावा अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एंव किसान बन्धु मौजूद थे।

कृषि तकनीकी प्रबंधन अभिकरण "आत्मा" शासी निकाय बिजनौर
गवर्निंग बोर्ड बैठक
अध्यक्ष
जिलाधिकारी, बिजनौर
उपाध्यक्ष
मुख्य विकास अधिकारी, बिजनौर
आयोजन- कृषि विभाग, जन